

<p>प्रौद्योगिकी (आईसीटी) से उत्पन्न होने वाले मुद्दे।</p> <p>3—अर्थव्यवस्था एवं कृषि</p> <ul style="list-style-type: none">● सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति (एस0डी0जी0), विनिर्माण क्षेत्र: चुनौतियाँ एवं रणनीतियाँ, ऊर्जा क्षेत्र का परिदृश्य, यातायात के विभिन्न साधनों की स्थिति—सतह, जल एवं वायु।● सरकारी बजट एवं वित्तीय प्रणाली के घटक, उदारीकरण एवं वैश्वीकरण का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव, औद्योगिक नीतियों में परिवर्तन तथा औद्योगिक विकास पर उनके प्रभाव, विदेशी व्यापार : समस्यायें एवं सम्भावनायें।● प्रमुख कृषि फसलों का उत्पादन एवं कृषि का वाणिज्यीकरण, विभिन्न प्रकार की खाद, उर्वरक, सिंचाई विधि तथा सिंचाई प्रणाली, कृषि उत्पाद का भण्डारण, ढुलाई एवं विपणन, किसानों की सहायता हेतु ई—तकनीकी।● प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कृषि अनुदान तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य से जुड़े मुद्दे, कृषि विविधता, उ0प्र0 में कृषि की समस्यायें एवं उनका समाधान, कृषि में तकनीकी अभियान। <p>4—नीतिशास्त्र और सत्यनिष्ठा</p> <ul style="list-style-type: none">● नीतिशास्त्र: आधारतत्व एवं विशेषताएं— नैतिकता के मानक अध्ययन के रूप में नीतिशास्त्र; सत्य, सही एवं शुभ; नैतिकता, मूल्य, नीतिशास्त्र एवं अधिनीतिशास्त्र; प्रेरणा एवं उद्देश्य; नैतिक निरपेक्षवाद एवं सापेक्षवाद।● नैतिक विचार— ऋत एवं धर्म; पुरुषार्थ एवं वर्णाश्रम धर्म; यम, नियम एवं ब्रह्म—विहार; उपयोगितावाद; कर्तव्य सिद्धान्त; संवेगवाद।● मनोवृत्ति: स्वरूप, घटक तथा निर्माण। विचार तथा व्यवहार पर मनोवृत्ति का प्रभाव। नैतिक मनोवृत्ति निर्माण तथा परिवर्तन। सामाजिक प्रभाव तथा अनुनय।● अभिक्षमता तथा भावनात्मक बुद्धिमता: अभिक्षमता तथा सत्यनिष्ठा का अर्थ। सार्वजनिक सेवाओं में निष्क्षता, गैरपक्षपात, वस्तुनिष्ठता तथा समर्पण का महत्व। भावनात्मक बुद्धिमता की अवधारणा तथा आयाम। प्रभावी नेतृत्व, निर्णयन तथा कमजोर वर्गों के प्रति सहानुभूति एवं सहिष्णुता में भावनात्मक बुद्धिमता का योगदान। <p>5—समसामयिक घटनाएं</p> <p>क्षेत्रीय राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय महत्व की समसामयिक घटनाएं खेलकूद के साथ</p> <ul style="list-style-type: none">● वैश्विक● दक्षिण एशिया तथा सार्क● भारत● उत्तर प्रदेश	<p>(ख) पत्राचार : शासकीय पत्र, अर्द्धशासकीय पत्र, कार्यालय आदेश, परिपत्र, अनुस्मारक, कार्यालय—ज्ञाप, विज्ञप्ति, टिप्पण एवं प्रतिवेदन 10+10 =20 अंक</p> <p>3. पारिभाषिक शब्दावली : (प्रशासनिक एवं वाणिज्यिक शब्दावली)</p> <p>(क) हिन्दी से अंग्रेजी रूपांतरण</p> <p>(ख) अंग्रेजी से हिन्दी रूपांतरण 10+10 =20 अंक</p> <p>4. मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ : अर्थ एवं वाक्य—प्रयोग (केवल दस) 10X3 =30 अंक</p> <p>5. (क) व्याकरण—विचार : संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, कारक, क्रिया 5X3 =15 अंक</p> <p>(ख) विराम—चिह्न 05 अंक</p> <p>(ग) अशुद्धि—शोधन : (i) शब्दगत (वर्तनी की) अशुद्धियाँ</p> <p>(ii) वाक्यगत अशुद्धियाँ 5+5 =10 अंक</p> <p>6. वर्ण—विचार : स्वर एवं व्यंजन वर्ण, स्वर एवं व्यंजन वर्णों का वर्गीकरण 10 अंक</p> <p>7. (क) हिन्दी शब्द—समूह : तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी 10 अंक</p> <p>(ख) हिन्दी शब्द—रचना : उपसर्ग, प्रत्यय, सन्धि, समास 10 अंक</p> <p>(ग) हिन्दी अर्थ—विधान : पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, अनेकार्थी शब्द, वाक्यांश के लिए एक शब्द, समोच्चरित भिन्नार्थक शब्द 20 अंक</p>
<p>प्रश्नपत्र—3</p> <p>विषय— सामान्य हिन्दी एवं आलेखन</p> <p>1. दिये हुए अपठित गद्यांश का शीर्षक, तीन रेखांकित अंशों की व्याख्या एवं संक्षेपण 5+15+10 =30 अंक</p> <p>2. (क) किसी दिये गये सरकारी पत्र का सारिणी—रूप (Tabular form) में सार—लेखन 10 अंक</p>	<p>प्रश्नपत्र—4</p> <p>विषय— हिन्दी निबन्ध</p> <p>नोट : इस प्रश्नपत्र के दो खण्ड होंगे। प्रत्येक खण्ड से एक निबन्ध लिखना अनिवार्य होगा। प्रथम खण्ड के निबन्ध के लिए 80 अंक और 800 शब्द तथा द्वितीय खण्ड के निबन्ध के लिए 120 अंक और 1200 शब्द निर्धारित हैं।</p> <p>प्रथम खण्ड :</p> <p>1. विज्ञान, पर्यावरण एवं प्रौद्योगिकी</p> <p>2. आर्थिक क्षेत्र</p> <p>3. कृषि, उद्योग एवं व्यापार</p> <p>4. प्राकृतिक आपदाएँ—भूस्खलन, भूकम्प, बाढ़, सूखा आदि</p> <p>द्वितीय खण्ड :</p> <p>1. साहित्य एवं संस्कृति</p> <p>2. सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र</p> <p>3. राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय घटनाचक्र</p> <p>4. राष्ट्रीय विकास—योजनाएँ एवं परियोजनाएँ</p>
	<div>सचिव</div>